



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 416]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 29, 1981/पौष 8, 1903

No. 416] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 29, 1981/PAUSA 8, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

सिवाई मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, दिसम्बर 28, 1981

सां.कां.वि. 676(अ) :—केन्द्रीय सरकार बहुपुत्र बोर्ड अधिनियम, 1980 (1980) का 46) की धारा 28 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बहुपुत्र बोर्ड नियम, 1981 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं :—(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से बहुपुत्र बोर्ड अधिनियम, 1980 (1980 का 46) अभिप्रेत है ।

(ख) "पूर्वोत्तर परिषद्" से पूर्वोत्तर परिषद् अधिनियम, 1971 (1971 का 84) की धारा 3 के अधीन गठित परिषद् अभिप्रेत है ;

(2) उन सब शब्दों और पदों के; जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं ।

3. बोर्ड का कार्यालय : (1) बोर्ड का कार्यालय गोहाटी असम में अवस्थित होगा ।

(2) बोर्ड नई दिल्ली में संपर्क कार्यालय स्थापित कर सकता है ।

4. बोर्ड का अधिवेशन :—(1) बोर्ड, सामान्यतः एक वर्ष में दो बार अपना अधिवेशन करेगा ;

परन्तु किसी अव्यावश्यकता की वशा में अध्यक्ष किसी भी समय बोर्ड का विशेष अधिवेशन बुला सकेगा ।

(2) बोर्ड के अधिवेशन, अध्यक्ष के आदेशों के अधीन सचिव द्वारा नियत किए जाएंगे ।

(3) अधिवेशन की तारीख, समय और उसके स्थान की सूचना अधिवेशन के लिए नियत तारीख से, प्रसामान्य अधिवेशनों की वशा में कम से कम 21 दिन पूर्व और विशेष अधिवेशन की वशा में 10 पूर्व दिन पूर्व बोर्ड के प्रत्येक सदस्य पर तामील की जाएगी ।

5. कार्यसूची : (1) सचिव, अध्यक्ष के आदेशों के अधीन उस अधिवेशन में संव्यवहृत किए जाने वाले कारबार की प्रत्येक भव पर स्पष्टीकारक टिप्पण सहित एक सूची तैयार करेगा और उसे सामान्य अधिवेशन की वशा में कम से कम पन्द्रह दिन पूर्व और विशेष अधिवेशन के सात दिन पूर्व प्रत्येक सदस्य को परिचालित करेगा ।

(2) ऐसे किसी कारबार का, जो कार्यसूची में सम्मिलित नहीं है, अध्यक्ष की अनुज्ञा के बिना संव्यवहार नहीं किया जाएगा ।

(3) किसी परियोजना की महायोजना की तैयारी या बोर्ड की निष्पादन के अधीन स्कीम की प्रगति का पुनर्विलोकन बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन की कार्यसूची की एक भव होगी ।

6. बोर्ड के अधिवेशनों की अध्यक्षता :— बोर्ड का अध्यक्ष, बोर्ड के प्रत्येक अधिवेशन की अध्यक्षता करेगा । यदि अध्यक्ष के आदेशों द्वारा

सम्यक् रूप से बुलाए गए बोर्ड के किसी अधिवेशन की अध्यक्षता, किसी कारणवश, अध्यक्ष नहीं कर सकता है तो अधिवेशन की अध्यक्षता उपाध्यक्ष द्वारा की जाएगी।

7. गणपूर्ति :—(1) बोर्ड के किसी भी अधिवेशन में ग्यारह सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

(2) यदि गणपूर्ति नहीं हो पाती है तो अध्यक्ष किसी अधिवेशन को रद्द या स्थगित कर सकता है और बोर्ड के ऐसे स्थगित अधिवेशन की सूचना, बोर्ड के प्रत्येक सदस्य पर, सामान्य अधिवेशन की दशा में कम से कम पन्द्रह पूर्ण दिन पूर्व और विशेष अधिवेशन की दशा में अधिवेशन के लिए नियत दिन से सात दिन पूर्व तामील की जाएगी।

(3) सूचना बोर्ड के किसी सदस्य पर सब तामील की गई समझी जाएगी जब वह उस पर व्यक्तिगत रूप से तामील की जाती है या उसके शासकीय पत्र पर रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा उसे भेज दी जाती है।

8. अधिवेशन की कार्यवाही का कार्यवृत्त :—(1) सचिव प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाही के कार्यवृत्त तैयार करेगा।

(2) अध्यक्ष द्वारा कार्यवृत्त का अनुमोदन हो जाने के पश्चात्, सचिव, बोर्ड के विनिश्चय की सूचना, सदस्यों, असम, मेन्शालय, नागालैण्ड, मणिपुर और त्रिपुरा राज्य सरकारों, अरुणाचल प्रदेश और मेन्शालय तथा पूर्वोत्तर परिषद् केन्द्रीय सरकार और बोर्ड द्वारा अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (8) के अधीन गठित स्थायी समिति के अध्यक्ष को देगा।

9. बोर्ड के विनिश्चय बोर्ड के किसी अधिवेशन के समक्ष लाए गए सभी मामले, बोर्ड के अधिवेशन में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किए जाएंगे और मत बराबर होने की दशा में, अध्यक्ष का द्वितीय या निर्णय मत होगा।

परन्तु जहाँ बोर्ड के समक्ष लाए गए किसी मामले के प्रतिनिर्देश से, अध्यक्ष का यह समाधान हो जाता है कि नीति के किसी प्रश्न पर या असम, मेन्शालय, नागालैण्ड, मणिपुर और त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम की सरकारों में से किसी के अधिकार पर सदस्यों की राय में मतभेद है तो अध्यक्ष वह मामला केन्द्रीय सरकार को निविष्ट करेगा जिसका उस पर विनिश्चय अस्तित्व होगा।

परन्तु यह और कि यदि वित्त मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने वाला बोर्ड का सदस्य, बोर्ड के समक्ष लाए गए किसी वित्तीय मामले के प्रतिनिर्देश से प्रस्ताव के विषय में कोई आपत्ति करता है तो अध्यक्ष उस मामले को केन्द्रीय सरकार को निविष्ट करेगा, जिसका उसपर विनिश्चय अस्तित्व होगा।

स्पष्टीकरण 1: यदि बोर्ड के किसी अधिवेशन में कोई सदस्य यह प्रश्न उठाता है कि कोई प्रश्न नीति का प्रश्न है या नहीं अथवा बोर्ड के विचाराधीन किसी मामले में असम, मेन्शालय, नागालैण्ड, मणिपुर, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम की सरकारों में से किसी एक या अधिक सरकारों का कोई अधिकार अस्तित्व में है या नहीं, तो इस प्रकार उठाए गए प्रश्नों पर अध्यक्ष द्वारा विनिश्चय किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2: जब कोई सदस्य अध्यक्ष द्वारा इस प्रकार किए गए किसी विनिश्चय से विस्मृत होता है तो वह राज्य सरकार, जिसका वह सदस्य प्रतिनिधित्व करता है, अध्यक्ष की मार्फत केन्द्रीय सरकार को सम्पादन कर सकती है और उस पर केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अस्तित्व होगा।

10. शक्तियों का प्रत्यायोजन :—बोर्ड, महाप्रबन्धक को ऐसी शक्तियाँ प्रत्यायोजित कर सकता है जो वह आवश्यक समझे।

11. सदस्यों की पदावधि :—(1) धारा 24 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, पदेन सदस्य से बिना कोई सदस्य अपनी नियुक्ति की तारीख से अधिक से अधिक तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेगा।

परन्तु उनके नियोजन की अपनी अपनी अवधि के अवसान होने पर भी, ऐसे सदस्य तब तक अपने पद पर बने रहेंगे जब तक कि उनके उत्तराधिकारियों की नियुक्ति नहीं हो जाती है।

(2) अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महाप्रबन्धक या वित्तीय सलाहकार, अपने हस्तलेख में केन्द्रीय सरकार को संबोधित कम से कम तीन मास की सूचना देने के पश्चात् और केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसा त्यागपत्र स्वीकार किए जाने के अधीन रहते हुए अपना पद त्याग कर सकता है जो उस तारीख से प्रभावी होगा जो केन्द्रीय सरकार अवधारित करे।

(3) अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महाप्रबन्धक और वित्तीय सलाहकार ऐसा वेतन लेंगे जो केन्द्रीय सरकार प्रत्येक मामले में अवधारित करे। वे ऐसे माला भत्ते और मकान किराया भत्ते के हकदार होंगे जो बोर्ड, केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से अवधारित करे। उनके सेवा के अन्य निबंध और शर्तें, यदि वे सरकारी सेवक हैं तो वे होंगी जो तत्समान प्राप्ति के केन्द्रीय सरकार के सेवकों को लागू होंगे।

(4) अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महाप्रबन्धक, और वित्तीय सलाहकार, ऐसे भत्ते, छुट्टी और छुट्टी वेतन और सरकारी यात्राओं के लिए यात्रा भत्ते छुट्टी-यात्रा रियायतें, चिकित्सीय फायदों आदि के हकदार होंगे, जो तत्समान प्राप्ति के केन्द्रीय सरकार सेवकों को समय-समय पर लागू हों।

(5) अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महाप्रबन्धक और वित्तीय सलाहकार की पेंशन और छुट्टी वेतन अभिव्यक्ति का, यदि वे बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर हैं तो, संवाय बोर्ड द्वारा क्रमशः राज्य सरकारों, केन्द्रीय सरकार या अन्य उधार देने वाले प्राधिकरणों को किया जाएगा।

(6) वह अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महाप्रबन्धक और वित्तीय सलाहकार जो सरकारी सेवक नहीं हैं बोर्ड की अभिव्यक्ति अविव्यनिधि के फायदे के हकदार होंगे।

परन्तु बोर्ड की अभिव्यक्ति अविव्यनिधि के फायदे ऐसे व्यक्तियों को अनुशेष नहीं होंगे जो पुनः नियोजित किए गए हैं और सरकार से पेंशन या अभिव्यक्ति अविव्यनिधि के रूप में कोई सेवा नियुक्ति फायदा पा रहे हैं। फिर भी, उन्हें, अभिव्यक्ति अविव्यनिधि में सम्मिलित होने और उसमें अभिवान करने की अनुज्ञा दी जा सकती है किन्तु वे बोर्ड से अभिव्यक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

12. अध्यक्ष की शक्तियाँ और उसके कर्तव्य :—अध्यक्ष बोर्ड का सर्वे कार्यभार सभ्य होगा और उसके दस कार्यकारण के लिए जिम्मेदार होगा। इसके अतिरिक्त, वह ऐसी शक्तियों का प्रयोग और कर्तव्यों का निर्वहन करेगा जो उसे बोर्ड प्रत्यायोजित करे।

13. उपाध्यक्ष की शक्तियाँ और उसके कर्तव्य :—अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष बोर्ड के अधिवेशनों की अध्यक्षता करेगा। यह अध्यक्ष की ऐसी शक्तियों का प्रयोग और कर्तव्यों का निर्वहन करेगा जो उसे अध्यक्ष प्रत्यायोजित करे और ऐसे अन्य कृत्यों को भी करेगा जो अध्यक्ष विनिश्चित करे।

14. महाप्रबन्धक के कृत्य और कर्तव्य :—(1) महाप्रबन्धक, बोर्ड के मुख्य कार्यपालक प्राधिकारी के रूप में बोर्ड के कार्यों के उचित प्रशासन के लिये जिम्मेदार होगा। वह बोर्ड के ऐसे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के जो उसके अधीनस्थ हैं, कर्तव्य विहित और समुन्-वेष्ट करेगा और ऐसा पर्यवेक्षण तथा अनुशासनिक नियंत्रण रखेगा जो आवश्यक हो और बोर्ड के अधीन विभिन्न एककों के क्रिया-कलापों का समन्वय करेगा।

(2) महाप्रबन्धक अध्यक्ष की ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कर्तव्यों का भी निर्वहन करेगा जो अध्यक्ष उसे प्रत्यायोजित करे और जो विनियमों द्वारा अवधारित किये जायें।

(3) महाप्रबन्धक ऐसी शक्तियों और कर्तव्यों का भी प्रयोग और निर्वहन भी करेगा जो बजट और अनुदानों के आवंटन और पुनर्वित्तियोजन

विषयक मामलों में इसमें इसके पश्चात् नियम 16 के अधीन विहित किये जायें।

13. वित्तीय सलाहकार के कृत्य और कर्तव्य :—(1) वित्तीय सलाहकार बोर्ड के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन होगा।

(2) वित्तीय सलाहकार राजस्व और व्यय से संबंधित सभी मामलों पर बोर्ड को सलाह देगा। उसे किसी ऐसे मामले को बोर्ड को निदिष्ट करने की भी शक्ति होगी जो उसकी राय में बोर्ड की जानकारी में लाया जाना चाहिये।

(3) वित्तीय सलाहकार बोर्ड के लेखाओं को बनाये रखने और उन लेखाओं की आन्तरिक संपरीक्षा के लिये भी जिम्मेदार होगा।

(4) वित्तीय सलाहकार ऐसी शक्तियों और ऐसे कर्तव्यों का भी प्रयोग और निर्वहन करेगा जो बजट विषयक मामलों में, उसमें इसके पश्चात् नियम 16 के अधीन विहित किये गये हैं।

16. बजट :—(1) बोर्ड प्रतिवर्ष प्राक्कलित व्यय वसूल करते हुए आगामी वित्तीय वर्ष के लिये बजट प्राक्कलन और चालू वित्तीय वर्ष के लिये पुनरीक्षित प्राक्कलन तैयार करेगा और उसे प्रत्येक वर्ष 15 अक्तूबर, तक केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। पुनरीक्षित बजट, जब मंजूर कर दिया जाये तब वह मूल बजट को अधिकृत कर देगा और उस वर्ष के लिये मंजूर किया गया बजट समझा जायेगा।

(2) कोई भी व्यय तब तक नहीं उपगत किया जायेगा जब तक कि बजट केन्द्रीय सरकार द्वारा मंजूर नहीं कर दिया जाता है और व्यय के लिये सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी प्राप्त नहीं हो गई है।

(3) बजट ऐसे अनुदेशों के अनुसार तैयार किया जायेगा जो समय-समय पर जारी किये जायें और ऐसे प्रारूप में होगा जो केन्द्रीय सरकार निदेश दे। बजट विवरण में निम्नलिखित मदें होंगी :—

- (i) प्राक्कलित आय प्रतिशेष ;
- (ii) अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (1) में निदिष्ट प्राक्कलित प्राप्तियां; और
- (iii) निम्नलिखित शीर्षों और उपशीर्षों में,

जैसा कि केन्द्रीय सरकार निदेश दे, वर्गीकृत प्राक्कलित व्यय, अर्थात् :—

- (क) प्रशासन
- (ख) सर्वेक्षण तथा अन्वेषण और महायोजना तैयार करना ;
- (ग) जल-विज्ञान संबंधी डाटा और अन्य आंकड़ों का संकलन ;
- (घ) बहु-उद्देश्यीय नदी परियोजनायें-सम्मिश्र ;
- (ङ) बहु-उद्देश्यीय नदी परियोजनाएं-अवर्तन और अनुरक्षण
- (च) अन्य कोई संकर्म जो बोर्ड, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (2) के अधीन प्रारम्भ करे ;
- (छ) अन्य क्रियाकलाप

उपशीर्ष :—

- (क) वेतन
- (ख) मजूरी ;
- (ग) यात्रा व्यय ;
- (घ) कार्यालय व्यय ;
- (ङ) भूतिका और विशेष सेवाओं के लिये संदाय ;
- (च) किराया और कर
- (छ) प्रकाशन ;
- (ज) प्रमुख संकर्म ;
- (झ) लघु संकर्म ;
- (ञ) मशीनरी और उपकरण ;

- (ट) अनुरक्षण ;
- (ठ) उचित, और
- (ड) अन्य प्रभार।

(4) व्यय का अनुपूरक, प्राक्कलन, यदि कोई है,

केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे प्रारूप में और ऐसी तारीखों पर भेजा जायेगा जो वह इस निमित्त निर्देश दे।

(5) महाप्रबन्धक वित्तीय सलाहकार के परामर्श से बोर्ड के सभी एकको के लिये बजट प्रस्ताव तैयार करेगा। महाप्रबन्धक द्वारा इस प्रकार तैयार किये गये बजट प्रस्ताव, उन प्रस्तावों पर वित्तीय सलाहकार की टीका टिप्पणी, यदि कोई है, और महाप्रबन्धक द्वारा दिये गये उनके उत्तरों सहित, बोर्ड के सचिव के समक्ष उसके अनुमोदनार्थ रखे जायेंगे।

17. लेखा :—केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों द्वारा बोर्ड की अभिधाय, अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (1) के अधीन संज्ञित ब्रह्मपुत्र बोर्ड निधि में जमा किया जायेगा और बोर्ड के व्यय की उक्त निधि से पूर्ति की जायेगी।

(2) बोर्ड और उसके विभिन्न एककों द्वारा लेखा रखने के प्रारूप वित्तीय सलाहकार द्वारा तैयार किये जायेंगे और वे भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक के परामर्श से बोर्ड द्वारा अनुमोदित किये जायेंगे।

(3) बोर्ड के लेखा वर्गीकरण के साधारण सिद्धांतों के अनुसार रखे जायेंगे, जैसे वे सरकारी संस्थानों को लागू होते हैं। बोर्ड प्रत्येक वर्ष से संबंधित सभी प्राप्तियां और व्यय का लेखा रखेगा और अभिलेख इस प्रकार रखेगा कि वार्षिक प्राप्ति और संदाय लेखा, आय और व्यय लेखा तथा तुलनपत्र तैयार किये जा सकें। ये लेखे बोर्ड द्वारा अनुमोदित किये जायेंगे और भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक द्वारा संपरीक्षित किये जायेंगे।

(4) बोर्ड के वार्षिक लेखे और अधिनियम की धारा 22 में यथा उपबंधित उस पर संपरीक्षक की रिपोर्ट सहित संसद के दोनों सदनों के पटलों पर रखे जाने के लिये वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छह मास के भीतर केन्द्रीय सरकार को भेजे जायेंगे।

18. वार्षिक रिपोर्ट :—(1) बोर्ड, वित्तीय वर्ष के अन्त में छह मास के भीतर, अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा और संसद के प्रत्येक सदन के पटल पर रखे जाने के लिये केन्द्रीय सरकार को अर्पित करेगा।

(2) वार्षिक रिपोर्ट में पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान बोर्ड के क्रिया-कलापों का पूरा विवरण दिया जायेगा और उसमें वर्ष का संपरीक्षित लेखा तथा भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक की उस पर रिपोर्ट भी होगी और बोर्ड उसकी प्रतियां केन्द्रीय सरकार को अर्पित करेगा। केन्द्रीय सरकार उसे संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवायेगी।

(3) वार्षिक रिपोर्ट की मुद्रित प्रतियां संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखी जाने के ठीक पश्चात् केन्द्रीय सरकार तथा असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर और त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम और पूर्वोत्तर परिषद् को, उपलब्ध कराई जायेगी।

19. प्रवेश करने की शक्ति :—बोर्ड के अधीनस्थ/कनिष्ठ इंजीनियर का प्रास्थिति से अन्यून प्रास्थिति का कोई अधिकारी या बोर्ड द्वारा इस विभिन्न साधारण रूप से या विशेष रूप से प्राधिकृत कोई अधिकारी सभी युक्तियुक्त समयों पर किसी भूमि या परिसर में प्रवेश कर सकेगा और ऐसे कार्य कर सकेगा जो वह अपने किसी कार्य को विधिपूर्वक पूरा करने के या शक्तियों के प्रयोग से संबंधित प्रारम्भिक या अनुबंधिक कोई सर्वेक्षण, परीक्षण या अन्वेषण करने के या इस अधिनियम के अधीन बोर्ड द्वारा कृत्यों के अनुपालन के प्रयोजन के लिये युक्तियुक्त रूप से आवश्यक समझे :

परन्तु ऐसा कोई अधिकारी किसी भवन में या किसी ग्रहाते में या किसी निवासगृह से संलग्न किसी बाग में तब तक प्रवेश नहीं करेगा।

जब तक कि उसने अपने ऐसा करने के भाव्य की लिखित रूप में सूचना उसने अधिभोगी को कम से कम सात दिन पूर्व देकर ऐसे अधिभोगी की गहमति न प्राप्त कर ली हो।

[फा० सं० 12/81-बी०सी०]

सी०सी० पटेल, सचिव

MINISTRY OF IRRIGATION NOTIFICATION

New Delhi, the 28th December, 1981

G.S.R. 676(E).—In exercise of the powers conferred by section 28 of the Brahmaputra Board Act, 1980 (46 of 1980), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Brahmaputra Board Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—(1) In these rules, unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Brahmaputra Board Act, 1980 (46 of 1980);

(b) "North-Eastern Council" means the Council constituted under section 3 of the North-Eastern Council Act, 1971 (84 of 1971);

(2) All words and expressions used in these rules but not defined shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Office of the Board.—(1) The office of the Board shall be located at Gauhati, Assam.

(2) The Board may set up a liaison office at New Delhi.

4. Meeting of the Board.—(1) The Board shall hold meetings ordinarily twice a year;

Provided that in case of any urgency, a special meeting of the Board may be summoned at any time by the Chairman.

(2) The meetings of the Board shall be fixed by the Secretary under the orders of the Chairman.

(3) The notice of the date, time and venue of the meeting shall be served upon every member of the Board at least 21 days before the date fixed for the meeting in the case of normal meetings and 10 clear days in the case of special meetings.

5. Agenda.—(1) Under the orders of the Chairman, the Secretary shall prepare and circulate to every member at least fifteen days before an ordinary meeting and seven clear days before a special meeting, a list of business to be transacted at that meeting with explanatory notes on each item.

(2) No business, not included in the agenda, shall be transacted without the permission of the Chairman.

(3) The review of the progress towards preparation of Master Plan and on any project or scheme under execution with the Board shall form an item in the agenda of every meeting of the Board.

6. Presiding over meetings of the Board.—Every meeting of the Board shall be presided over by the Chairman of the Board. In case a meeting of the Board, duly convened, under the orders of the Chairman cannot be presided over by him for some reason, the meeting shall be presided over by the Vice-Chairman.

7. Quorum.—(1) Any eleven members shall form a quorum at a meeting of the Board.

(2) If a quorum is not available, the Chairman may cancel the meeting or adjourn it and the notice of the date,

time and venue of the adjourned meeting of the Board shall be served upon every member of the Board not less than fifteen clear days in case of ordinary meetings and seven clear days in special meetings before the day fixed for the meeting. There shall be no quorum required for such an adjourned meeting.

(3) A notice will be deemed to be duly served upon any member of the Board, if it is served on him personally or it is sent to him by registered post at his official address.

8. Minutes of the proceedings of meetings.—(1) The minutes of proceedings of every meeting shall be prepared by the Secretary.

(2) After approval of the minutes by the Chairman, the Secretary shall communicate the decisions of the Board to the members, the Governments of Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur and Tripura, Arunachal Pradesh and Mizoram and the North-Eastern Council, the Central Government, and the Chairman of the Standing Committee set up by the Board under sub-section (8) of section 4 of the Act.

9. Decisions of the Board.—All matters brought before any meeting of the Board shall be decided by a majority of votes of the members present and voting at the meeting of the Board, and in case of any equality of votes, the Chairman shall have a second or casting vote.

Provided that where with reference to any matter brought before the Board, the Chairman is satisfied that there is a difference of opinion among the members of any question of policy or the rights of any of the Governments of Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur and Tripura, Arunachal Pradesh and Mizoram, the Chairman shall refer the matter to the Central Government whose decision thereon shall be final.

Provided further that with reference to any financial matter brought before the Board, if the Member of the Board representing the Ministry of Finance has any reservations about the proposal, the Chairman shall refer the matter to the Central Government whose decision thereon shall be final.

Explanation. I.—If any member raises in any meeting of the Board a point as to whether a question is a question of policy or whether any rights of any one or more of the Governments of Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur, Tripura, Arunachal Pradesh and Mizoram are involved in the consideration of a matter before the Board, a decision on the points so raised shall be given by the Chairman.

Explanation. II.—When any member dissents from any decision so given by the Chairman, the State Government which is represented by that member, may represent to the Central Government through the Chairman and the decision of the Central Government thereon shall be final.

10. Delegation of powers.—The Board may delegate to the General Manager such powers as it may consider necessary.

11. Terms of office of members.—(1) Subject to the provisions of section 24, a member other than an ex-officio member shall hold office for a period not exceeding three years from the date of his appointment.

Provided that, notwithstanding the expiration of the respective periods of their appointment such members shall continue to hold office until their successors are appointed.

(2) The Chairman, Vice-Chairman, General Manager or the Financial Adviser may resign his office by writing under his hand, addressed to the Central Government after giving notice of at least three months and subject to such resignation being accepted by the Central Government and effective from the date as may be determined by the Central Government.

(3) The Chairman, Vice-Chairman, General Manager and the Financial Adviser shall draw such salary as may be determined by the Central Government in each case. They will be entitled to travelling allowance and house rent allowance as may be determined by the Board with the approval of the Central Government. Their other terms and conditions

of service will, in case they are Government servants, be such as are applicable to the Central Government servants of corresponding status.

(4) The Chairman, Vice-Chairman, General Manager and the Financial Adviser shall be entitled to allowances, leave and salary and travelling allowances for official journeys, leave travel concessions, medical benefits etc. as may be applicable from time to time to the Central Government servants of corresponding status.

(5) The pension and leave salary contributions of the Chairman, Vice-Chairman, General Manager and the Financial Adviser, if on deputation to the Board shall be paid by the Board to the respective State Governments, Central Government, or other lending authorities.

(6) The Chairman, Vice-Chairman, General Manager and the Financial Adviser who are not Government servants will be entitled to the benefit of Contributory Provident Fund of the Board :

Provided that the benefits of Contributory Provident Fund of the Board shall not be admissible to such persons who have been reemployed and are in respect of any retirement benefit from the Government in the form of pension or Contributory Provident Fund. They may, however, be permitted to join the Contributory Provident Fund and contribute to it but shall not be eligible for the Board's contribution.

12. Powers and duties of Chairman.—The Chairman shall be in overall charge of the Board and shall be wholly responsible for its efficient working. He will, in addition, discharge such powers and duties as may be delegated to him by the Board.

13. Powers and duties of Vice-Chairman.—In the absence of the Chairman, the Vice-Chairman shall preside over the meetings of the Board. He shall exercise such of those powers and duties of the Chairman as may be delegated to him by the Chairman and also perform such other functions as may be decided by the Chairman.

14. Functions and duties of General Manager.—(1) The General Manager, as the Chief Executive Authority of the Board shall be responsible for the proper administration of the affairs of the Board. He shall prescribe and assign the duties of all officers and staff of the Board who are subordinates to him and shall exercise such supervision and disciplinary control as may be necessary and shall co-ordinate the activities of various units under the Board.

(2) The General Manager shall also exercise and discharge such powers and duties as may be delegated to him by the Chairman and as may be determined by regulations.

(3) The General Manager shall also exercise the powers and duties as hereinafter prescribed under rule 16 in matters pertaining to budget and allocation or reappropriation of grants.

15. Functions and duties of Financial Adviser.—(1) The Financial Adviser shall be under the administrative control of the Board.

(2) The Financial Adviser shall advise the Board on all matters relating to revenue and expenditure. He shall have the right to refer to the Board any matter which in his opinion ought to be brought to its notice.

(3) The Financial Adviser shall be responsible for the maintenance of the accounts of the Board and conduct internal audit of these accounts.

(4) The Financial Adviser shall also exercise such powers and duties as are hereinafter prescribed in rule 16 in matters pertaining to the budget.

16. Budget.—(1) The Board shall in each year, prepare budget estimates for the ensuing financial year and the revised estimates for the current year showing the estimated expenditure and shall submit it to the Central Government by 15th October, each year. The revised budget when sanctioned shall supersede the original budget and shall be deemed to be the sanctioned budget for the year.

(2) No expenditure shall be incurred until the budget is sanctioned by the Central Government and the expenditure has received the sanction of the competent authorities.

(3) The budget shall be prepared in accordance with such instructions as may be issued from time to time and be in such form as the Central Government may direct. The budget statement shall contain following items :—

- (i) the estimated opening balance;
- (ii) the estimated receipts referred to in sub-section (1) of section 19 of the Act; and
- (iii) the estimated expenditure classified under the following heads and sub-heads as the Central Government may direct, namely :—

Heads

- (a) Administration;
- (b) Surveys and investigations and preparation of Master Plan;
- (c) Collection of hydrological and other data and statistics;
- (d) Multi-purpose river projects—construction;
- (e) Multipurpose river projects—operation and maintenance;
- (f) Any other work to be taken up by the Board under sub-section (2) of section 13 of the Act;
- (g) Other activities.

Sub-Heads

- (a) Salaries ;
- (b) Wages;
- (c) Travel expenses;
- (d) Office expenses;
- (e) Payments for professional and special services;
- (f) Rent, rates and taxes;
- (g) Publications;
- (h) Major works;
- (i) Minor works;
- (j) Machinery and equipment;
- (k) Maintenance;
- (l) Suspense; and
- (m) Other charges.

(4) Supplementary estimates of expenditure, if any, shall be submitted to the Central Government in such form and on such dates as may be directed by it in this behalf.

(5) The General Manager shall prepare the budget proposals for all the units of the Board in consultation with the Financial Adviser. The budget proposals so prepared by the General Manager along with the comments of the Financial Adviser, if any, and the replies of the General Manager, thereto shall be placed by the Secretary before the Board for its approval.

17. Accounts.—(1) Contributions of the Central Government and the State Governments to the Board shall be credited to the Brahmaputra Board Fund created under sub-section (1) of section 19 of the Act and expenditure of the Board shall be met from the said Fund.

(2) The forms or compilation of accounts by the Board and its various units shall be prepared by the Financial Adviser and approved by the Board in consultation with the Comptroller and Auditor General of India.

(3) The accounts of the Board shall be maintained in accordance with the general principles of classifications, as applicable to Government transactions. The Board shall maintain accounts of all receipts and expenditure relating to each year and maintain records in such a manner as to prepare annually the receipts and payment accounts and income and expenditure account and the balance-sheet. These accounts shall be approved by the Board and audited by the Comptroller and Auditor General of India.

(4) The annual accounts of the Board along with the Auditor's report thereon as provided in section 22 of the Act shall be submitted annually to the Central Government within six months of the closure of the financial year for being laid on the tables of both Houses of Parliament.

18. Annual Report :—(1) The Board shall prepare its Annual Report within six months of the end of the financial year and forward it to the Central Government for being laid before each House of Parliament.

(2) The Annual Report shall give a full account of the activities of the Board during the previous year and shall include the audited accounts of the year and the Report of the Comptroller and Auditor General of India thereon and the Board shall forward copies thereof to the Central Government. The Central Government shall cause the same to be laid before each House of Parliament.

(3) Printed copies of the Annual Report shall be made available to the Central Government and the Governments of Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur and Tripura.

Arunachal Pradesh, Mizoram and North-Eastern Council immediately after the Annual Report is laid down before each House of Parliament.

19. Powers to enter.—Any officer not below the rank of Overseer/Junior Engineer of the Board, generally or specially authorised by the Board in this behalf, may, at all reasonable times, enter upon any land or premises and there do such things as may be reasonably necessary for the purpose of lawfully carrying out any of its works or of making any survey, examination or investigation, preliminary or incidental to the exercise of powers or the performance of the functions by the Board, under this Act :

Provided that no such officer shall enter in any building or any enclosed court or garden attached to a dwelling house unless with the consent of the occupier thereof without previously giving such occupier at least seven days notice in writing of his intention to do so.

[File No. 12/81-BC]

C. C. PATEL, Secy.